*कर्मचारी राज्य बीमा निगम*

## कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लिमिटेड

.पंचदीप भवन. भवानीसिंह मार्ग, जयपुर- 302001

# ऋण के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

सचिव,
कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लि.,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन,
जयपुर।

निवेदन है कि प्रार्थी को रू.....अक्षरे रुपये.....जो..... कार्य हेतु आवश्यकता है, जिसका चुकारा रू.....की माहवार किश्तों में कर दूंगा/दूंगी। समिति की ऋण सम्बन्धी शर्ते मुझे स्वीकार हैं।

मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं कर्मचारी राज्य बीमा निगम में दिनांक.....से कार्य कर रहा/रही हूँ एवं निगम में स्थायी/अस्थायी कर्मचारी हूँ और मेरा मासिक वेतन रू.....है तथा मेरी जन्मतिथि.....है।

प्रार्थी,

दिनांक : .....  (  )

पदनाम .....

कार्यालय .....

## समिति के कार्यालय के लिए

1. सदस्य द्वारा क्रय किए हुए हिस्सों की संख्या.....मूल्य.....रू.....
2. सदस्य स्थायी/अस्थायी कर्मचारी है।
3. सदस्य की बचत की राशि रुपये.....
4. सदस्य की नियमानुसार अधिकतम ऋण सीमा रुपये.....
5. सदस्य के गत ऋण बाकी (अनड्यू).....से.....ओवरड्यू
6. गत ऋणों की किश्त की राशि रुपये.....प्रतिमाह
7. सदस्य द्वारा मांगे हुए ऋण की राशि रुपये.....
8. इस ऋण की स्वीकृति के पश्चात् ऋणों की किश्त की राशि रू.....प्रतिमाह
9. सदस्य द्वारा प्रतिभूति दी हुई राशि रुपये.....
10. सदस्य चालू वर्ष में नादेहन्दगान (चूककर्ता) तो नहीं रहा, यदि हाँ तो कब-कब.....

विशेष विवरण :

*हस्ताक्षर कोषाध्यक्ष*

उपर्युक्त ऋण प्रार्थना पत्र आवश्यक सूचनाओं के साथ स्वीकृतार्थ प्रस्तुत है।

*हस्ताक्षर सचिव*

## आज्ञा

1. श्री----------उक्त हस्ताक्षरकर्ता को रू.....अक्षरे ----------ऋण जो कि उप नियमानुसार स्वीकार किया जाता है।
2. प्रबंधकारिणी ऋण समिति ने अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए प्रार्थी को रू.....दिनांक..... की बैठक में सरक्यूलेशन द्वारा दिया जाना स्वीकार कर दिया है।

अतः एक प्रतिज्ञा-पत्र भराया जाकर इनको रू.....रकम दे दी जावे।

*अध्यक्ष/सचिव*

## स्टाम्प शुल्क मुक्त

मैं.....पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री.....जाति.....आयु.....वर्ष निवासी..... ने रुपये अक्षरे.....जिसके आधे.....रुपये होते हैं कार्य हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लि., जयपुर से ऋण लिया है तथा मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि यह ऋण रू.....निर्धारित वार्षिक ब्याज की दर से निम्नांकित शर्तों के अनुसार रू. .....की मासिक किश्तों में चुका दूंगा/दूंगी।

1. यदि मैं इस ऋण को उपर्युक्त कार्य में व्यय न करूं तो समिति सदस्य देय ब्याज सहित तुरन्त मांग सकती है।
2. समिति से एक माह का नोटिस मिलने पर जितना ऋण मेरी ओर शेष होगा, एक मुश्त चुका दूंगा/दूंगी।
3. यदि समिति को मेरी आर्थिक दशा बिगड़ने से अथवा किंसी कारण से हानि की संभावना हो तो बिना नोटिस दिए शेष ऋण की राशि ब्याज सहित मुझसे मांग सकती है, जिसकी एक मुश्त राशि चुकाने में मुझे किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी।
4. मैं समिति को यह भी अधिकार देता/देती हूँ कि समिति की देय राशि समिति राजस्थान सहकारी अधिनियम, 1965 की धारा 41 के अंतर्गत मेरे विभागीय प्रधान अधिकारी अथवा क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर अथवा डिस्बरसिंग ऑफिसर को लिखकर मुझे मिलने वाले वेतन भत्ते आदि में से बालाबाला कटवा लें। इसमें मुझे किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी।
5. मैं समिति एवं क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर अथवा अन्य कोई अधिकारी (डिस्बरसिंग अधिकारी) को यह अधिकार देता/देती हूँ कि मेरी ओर समिति का ऋण, ब्याज व अन्य देय राशि जो भी बकाया हो वह मेरी ग्रेच्युटी, पी.एफ., वेतन भत्ते आदि से वसूल कर लें। इस संबंध में मेरे द्वारा या उत्तराधिकारी द्वारा कोई एतराज पेश किया जावे तो उसे वैद्य नहीं माना जावे। अत: प्रमाण स्वरूप यह प्रतिज्ञा-पत्र लिख दिया है।

***ऋण लेने वाले के हस्ताक्षर***

## प्रतिभूति

मैं/हम उपरोक्त ऋणी श्री.....की ओर से जामिन होता हूँ/होते हैं। यदि ऋणी यह ऋण नहीं चुकायेगा अथवा उपरोक्त शर्तों में से किसी का पालन नहीं करेगा तो मैं/हम स्वयं चुकाऊंगा/चुकायेंगे। अत: मैं/हम प्रतिज्ञा करता हूँ/करते हैं कि यदि उपरोक्त ऋण के चुकाने की विधि और शर्तों में कोई परिवर्तन न हो तो उस सब शर्तों के परिवर्तन करने में मुझे/हमें कोई आपत्ति नहीं होगी और मैं/हम उन शर्तों के परिवर्तन का पालन करूंगा/करेंगे तथा मेरी/हमारी जमानत उसी प्रकार स्थिर रहेगी, जब तक सारा ऋण ब्याज सहित चुक न जावे। इस ऋण का संपूर्ण दायित्व व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से मुझ/हम पर होगा।

अत: यह जमानतनामा लिख दिया है कि प्रमाण रहे। इति।

1. नाम जामिन श्री.....पुत्र/पत्नी श्री.....पद
   आयु.....वर्ष, सदस्य सं.....निवासी.....

दिनांक : .....हस्ताक्षर

2. नाम जामिन श्री.....पुत्र/पत्नी श्री.....पद
   आयु.....वर्ष, सदस्य सं.....निवासी.....

दिनांक : .....हस्ताक्षर

## रसीद

स्वीकृत ऋण के रुपये.....अक्षरे रुपये.....नगद/चैक सं.....दिनांक.....द्वारा प्राप्त कर यह रसीद लिख दी है, ताकि सनद रहे।

रेवन्यू

***ऋण लेने वाले के हस्ताक्षर***